

७०९
७२.५०

उत्तराखण्ड शासन
वित्त अनुभाग-८
संख्या- ७४४ /2017/XXVII(8)/7(100)/2017
देहरादून :: दिनांक १९ सितम्बर, 2017

अधिसूचना विविध

राज्यपाल, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए मनोरंजन कर विभाग, उत्तराखण्ड में कार्यरत निरीक्षकों का राज्य कर विभाग में संविलियन किये जाने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं :-

उत्तराखण्ड मनोरंजन कर विभाग के निरीक्षक संवर्ग का राज्य कर विभाग में संविलियन नियमावली, 2017

संक्षिप्त नाम एवं प्रारम्भ

1.(1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम “उत्तराखण्ड मनोरंजन कर विभाग के निरीक्षक संवर्ग का राज्य कर विभाग में संविलियन नियमावली, 2017” है।

(2) यह दिनांक 01.7.2017 से प्रभावी होगी।

(3) यह नियमावली राज्य कर निरीक्षक संवर्ग के पदों पर संविलियन के लिये लागू होगी।

अध्यारोही प्रभाव

2. किसी अन्य नियमावली या इस निमित्त जारी किये गये कार्यपालक आदेशों में दी गयी किसी प्रतिकूल बात के होते हुये भी यह नियमावली प्रभावी होगी।

परिभाषाएं

3. जब तक कि विषय या सन्दर्भ में कोई प्रतिकूल बात न हो :-

(1) “नियुक्ति प्राधिकारी” से राज्य कर विभाग में राज्य कर निरीक्षक के पद पर नियुक्ति हेतु सक्षम प्राधिकारी अभिप्रेत है;

(2) “सेवा नियमावली” से राज्य कर विभाग के अन्तर्गत निरीक्षक संवर्गीय पदों को शासित करने वाली सेवा नियमावली अभिप्रेत है;

(3) “मौलिक नियुक्ति” से सेवा के संवर्ग में किसी पद पर ऐसी नियुक्ति अभिप्रेत है, जो तदर्थ नियुक्ति न हो और नियमों के अनुसार चयन के पश्चात् की गयी हो और यदि कोई नियम न हो तो सरकार द्वारा जारी किये गये कार्यपालक अनुदेशों द्वारा तत्समय विधिक प्रक्रिया के अनुसार की गयी हो;

(4) “संवर्ग” से उन सभी पदों के समूह अभिप्रेत है, जो इस नियमावली के प्रख्यापन के समय मनोरंजन कर विभाग के निरीक्षक संवर्ग (मनोरंजन कर निरीक्षक श्रेणी-1 एवं मनोरंजन कर निरीक्षक श्रेणी-2) में उपलब्ध हैं;

(5) “सरकार” से उत्तराखण्ड सरकार अभिप्रेत है;

संविलियन हेतु पात्रता/
सेवा का निर्धारण

4(1) राज्य सरकार, मनोरंजन कर विभाग में कार्यरत निरीक्षक संवर्ग के पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त कार्मिकों का संविलियन, राज्य कर विभाग में राज्य कर निरीक्षक संवर्ग सृजित करते हुए, संविलियन आदेश द्वारा करेंगे।

(2) राज्य कर निरीक्षक के संवर्ग में संविलियन हेतु वही कार्मिक पात्र होगा, जो मनोरंजन कर विभाग, उत्तराखण्ड में मनोरंजन कर निरीक्षक के पद पर नियमानुसार मौलिक रूप से नियुक्त हो।

(3) कार्मिकों का जिस पद पर संविलियन होगा, उस पद पर उनकी मौलिक नियुक्ति वही होगी, जो मनोरंजन कर निरीक्षक संवर्ग के समकक्ष वेतनमान के पद पर थी।

(4) मनोरंजन कर विभाग निरीक्षक संवर्ग से इस नियमावली के अधीन संविलियन किये जाने वाले कार्मिक का पदनाम संविलियन की तिथि से राज्य कर निरीक्षक श्रेणी-1 तथा राज्य कर निरीक्षक श्रेणी-2 माना जायेगा। ऐसी तिथि के पश्चात् संबंधित पद पर उसकी ज्येष्ठता, पदोन्नति एवं अन्य सेवा संबंधी मामले राज्य कर निरीक्षक संवर्ग सेवा नियमावली के अंतर्गत व्यवहृत होंगे।

(5) संविलियन के फलस्वरूप संविलियन किये गये कार्मिक को राज्य कर विभाग के अधीन नियुक्त कार्मिक समझा जायेगा तथा भविष्य में उसकी सेवायें संगत सेवा नियमावली से शासित होंगी।

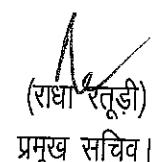
(6) संविलियन होने वाले कार्मिकों के पूर्व में अर्जित अवकाश, चिकित्सा अवकाश की गणना राज्य कर विभाग के अंतर्गत अर्जित अवकाश के साथ आंकलित किया जायेगा।

(7) राज्य कर निरीक्षक के पद पर किया गया संविलियन राज्य कर निरीक्षक संवर्ग के अधीन की गयी नियुक्तियां समझी जायेंगी।

ज्येष्ठता निर्धारण

5. मनोरंजन कर विभाग निरीक्षक संवर्ग के संविलियन किये जा रहे कार्मिक की नवीन संवर्ग में ज्येष्ठता वहीं होगी, जो कि मनोरंजन कर विभाग में थी।

आज्ञा से,


(राघबीर सिंह)
प्रमुख सचिव।